रोगी पत्रक

पी.एच.डी. आयुर्वेद (पंचकर्म)

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

आमवात के रोगियों पर बृहत सैन्धवादि तैल की जानुवस्ति एवं क्षारवस्ति का चिकित्सकीय अध्ययन

रोगी पत्रक

आतुरनाम :

आतुर क्रमांक :

वय :

बाहय रोगी क्रमांक :

लिंग :

अंतर रोगी क्रमांक :

शिक्षा :

चिकित्सा प्रारंभ तिथि :

वैवाहिक अवस्था :

चिकित्सा समाप्त तिथि :

जाति :

धर्म :

व्यवसाय :

आर्थिक स्थिति :

निवास :

प्रमुख वेदना :

वेदनावृत्त :

पूर्वव्याधिवृत्त :

कुलवृत्त :

माता :

पिता :

भाई :

बहन :

पुत्र :

पुत्री :

पति / पत्नी :

वैयक्तिक इतिवृत्त :

आहार : (अभ्यवहरण) : मिश्र / निरामिष

प्रातः :

मध्यान्ह :

संध्याकाल :

पिपासा :

विरुद्ध आहार :

स्निग्ध आहार :

गुरु आहार :

उपवास :

अग्नि :

कोष्ठ :

विहार :

वयतः :

व्यवसाय :

कर्म प्रवृत्ति :

कार्यफल :

व्यायाम :

आसन :

जन्मदेश :

आतुरसंवर्धन देश :

निद्रा : अल्प / मध्यम / खंडित / उत्तम ... दिवास्वाप / रात्रि जागरण

व्यसन : तम्बाखू / मद्य / सिगरेट / औषधि / चाय / कॉफी

औषधिवृत्त : हाँ / नहीं

औषधि	:	काल	परिणाम
शस्त्रकर्म	:	काल	परिणाम

अष्टविध परीक्षण :

नाडी :

मूत्र :

मल :

जिव्हा :

शब्द :

स्पर्श :

दृक् :

आकृति :

General Examinations – Pulse_____ BP_____Temperature_____

दशविध परीक्षा (आतुरबल प्रमाण परीक्षणम्) :

१) प्रकृतितः	:	शरीर –	
		मानस –	
२) विकृतितः	:		
३) सारता	:		
४) सहननतः	:		
५) प्रमाणतः	:		
६) सात्म्य	:		
७) सत्वतः	:		
८) आहारशक्ति	:	अभ्यवहरण	जरण
९) व्यायामशक्ति	:		
१०) देश	:		

प्रकृति विनिश्चय :

वात लक्षण :

पित्त लक्षण :

कफ लक्षण :

प्रकृति : वातज / पित्तज / कफज / वातपित्तज / वातकफज / कफपित्तज / त्रिदोषज

मानस प्रकृति : सात्विक / राजसिक / तामसिक

स्रोतस परीक्षण :

१) प्राणवह स्रोतस :–

नासा	–	DNS / नासार्श / Others
गल	–	गलशोथ / गिलायुवृध्दि / निग्रहण असमर्थता
स्वर	–	क्षीण / स्निग्ध / रुक्ष / मिनमिन / गदगद
फुफ्फुस	–	श्वासकृच्छ्रता / श्वास / कास

२) उदकवह स्रोतस :–

तालु	–	आर्द्र / शुष्क
तृष्णा	–	अधिक / मध्यम / अल्प

३) अन्नवह स्रोतस :–

मुख	–	
जिव्हा	–	साम / निराम
तालु	–	
आमाशय	–	शूल / आटोप / आध्मान / स्पर्शासहत्व
अग्नि	–	मंद / तीक्ष्ण / विषम / सम

४) रसवह स्रोतस :–

हृदय	–
नाडी	–
रक्तचाप	–
ज्वर	–

५) रक्तवह स्रोतस :–

नख	–	पाण्डुर / पीताभ / आरक्त / हरित
नेत्र	–	पाण्डुर / पीताभ / आरक्त / हरित
मुख	–	पाण्डुर / वैवर्ण्य / आरक्त
यकृत	–	प्राकृत / वृध्दि / स्पर्शासहत्व
प्लीहा	–	प्राकृत / वृध्दि / स्पर्शासहत्व

६) मांसवह स्रोतस :–

आकृति	–	कृश / स्थूल / मध्यम
संहनन	–	हीन / मध्यम / उत्तम
शरीरभार	–	

७) मेदोवह स्रोतस :–

वृक्क	–	प्राकृत / वृध्दि / स्पर्शासहत्व
उदर	–	मेदसंचित / मेदक्षय / प्राकृत
स्फिक्	–	मेदसंचित / मेदक्षय / प्राकृत
स्तन	–	मेदसंचित / मेदक्षय / प्राकृत

८) अस्थिवह स्रोतस :–

अस्थि	–	वक्रता / अध्यास्थि / ग्रंथि / शौषिर्य
संधि	–	संधिशोथ / स्थानिकज्वर / स्पर्शासहत्व / लालिमा
संधिचलन	–	सचल / अल्पचल / क्रियाहानी
दंत	–	मलिन / स्फुटित / कोटरयुक्त / पलित / श्वेताभ
केश	–	अल्प / खालित्य / पालित्य / रुक्ष / सम्यक
नख	–	श्वेताभ / पीताभ / श्याव / पाण्डुत्व / Clubbing

९) मज्जावह स्रोतस :–

संधि	–	शूल / शोथ / जकडाहट
शिर	–	भ्रम / मूर्च्छा

१०) शुक्रवह स्रोतस :–

११) आर्तववह स्रोतस :–

१२) पुरीषवह स्रोतस :–

मलाशय	–	मलबध्दता / द्रवमल / साम / निराम / सम्यक
गुद	–	अर्श / परिकर्तिका / गुदपाक / भगंदर
वातानुलोमन	–	सम्यक / असम्यक

१३) मूत्रवह स्रोतस :–

बस्ति	–	शूल / स्पर्शासहत्व
वृक्क	–	स्पर्शासहत्व / प्राकृत
मूत्रप्रवृत्ति	–	बहुल / अल्प / प्राकृत

१४) स्वेदवह स्रोतस :–

प्रवृत्ति	–	बहुल / अल्प / मध्यम
त्वक्	–	स्निग्ध / रुक्ष / प्राकृत

प्रयोगशालीय परीक्षण :

परीक्षण	चिकित्सापूर्व	चिकित्सापश्चात

1) रक्तपरीक्षण :

Hb% :

TLC :

DLC :

Polymorphs -

Lymphocytes -

Eosinophils -

Basophils -

Monocytes -

ESR :

2) RA Factor :

3) Blood Sugar (R) :

4) Urine test (R & M):

5) X-ray Joint (Knee joint) AP & Lateral view :

निदान :

१. रोग :

२. दोष :

३. दूष्य :

४. स्रोतस :

५. अग्नि :

६. अधिष्ठान :

७. व्याधिकाल :

८. अवस्था :

९. उपद्रव :

१०. साध्यासाध्यता :

११. संधिग्रस्तता :

व्याधि निदान-

क्र	निदान	चिकित्सापूर्व	चिकित्सापश्चात
1	अकाल भोजन		
2	अहित भोजन		
3	विरुद्ध आहार		
4	अति गुरु, स्निग्ध, शीतद्रव		
5	अति रुक्ष भोजन		
6	दिवास्वाप, रात्रिजागरण		
7	अतिश्रम, व्यायाम		
8	शोक, चिन्ता, भय, क्रोध		
9	निश्चलत्व		

संधि में उपस्थित लक्षण -

क्र	लक्षण	चिकित्सापूर्व	चिकित्सापश्चात
1	संधिशूल		
2	संधिशोथ		
3	संधिराग		
4	संधिस्तंभ		
5	संचारी वेदना		
6	संधि उष्णस्पर्शत्व		
7	संधिकार्य हानि		

सार्वदैहिक लक्षण-

क्र	लक्षण	चिकित्सापूर्व	चिकित्सापश्चात
1	ज्वर		
2	शिरःशूल		
3	निद्रानाश		
4	कण्डू		
5	दाह		
6	स्तेमित्व		
7	बहुमूत्रता		
8	भ्रम		
9	हृदग्रह		
10	अंगग्रह		
11	गौरव		
12	आलस्य		
13	मुखप्रसेक		
14	अरुचि		

15	तृष्णा		
16	क्षुधानाश		
17	छर्दि		
18	आन्त्रकूजन		
19	विबंध		
20	कुक्षिशूल		
21	आनाह		
22	शूनतांग		

Functional Assessment -

Functional Assessment	चिकित्सापूर्व	चिकित्सापश्चात
Walking Time		
Grip Strength		
Foot Pressure		
General functional assessment		

चिकित्सा :

चिकित्सा कर्म : वृहत सैन्धवादि तैल जानु वस्ति

क्षार वस्ति चिकित्सा

प्रयुक्त वृहत सैन्धवादि तैल जानु वस्ति एवं क्षारवस्ति मात्रा -

१. **जानु वस्ति -**

२. **क्षार वस्ति -**

सैन्धव	1 तोले	–	10 ग्राम
शताह्वा	1 तोले	–	10 ग्राम
इमली	8 तोले	–	80 ग्राम
गुड	8 तोले	–	80 ग्राम
गोमूत्र	32 तोले	–	320 मि.ली.

पूर्वकर्म :

बस्तिदान काल :

प्रधान कर्म :

पश्चात कर्म :

बस्ति प्रत्यागमन काल :

आहार व्यवस्था (संसर्जन क्रम) :

व्यापद चिकित्सा :उपशय :

25% से कम	:	कोई लाभ नहीं
25% – 50%	:	अल्प लाभ
50% – 75%	:	मध्यम लाभ
75% – 99%	:	उत्तम लाभ
100%	:	सम्पूर्ण लाभ

शोध अध्येता

डॉ. आर. के. गुप्ता

बी.ए.एम.एस., एम.डी. (कायचिकित्सा)
शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

शोध निर्देशक

डॉ. जिनेश कुमार जैन

एम.डी., पी.एच.डी. (कायचिकित्सा)
एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
पंचकर्म विभाग
शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

सह–शोध निर्देशक

डॉ. ओ.पी. द्विवेदी

एम.डी., पी.एच.डी. (रचना शारीर)
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
रचना शारीर विभाग
शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)